B.A.I.H
3.7.20.

प्रेमचंद और समसामयिक उपन्यासकार L.2
हिंदी विभाग P.R.

[redacted] प्रेमाश्रम में भारतीय ग्रामीण जीवन को चित्रित किया गया है। पुरानी सामंती और जमींदारी सभ्यता किस प्रकार खोखली हो चुकी है, किस प्रकार वह अपने अंतिम दिनों में किसानों के शोषण में व्यस्त है इन सबका सजीव और मार्मिक चित्रण किया गया है। यह उपन्यास गाँधीवाद समझौता पद्धति द्वारा समय की विषमताओं के सुलझाव को प्रस्तुत करता है। रंगभूमि का कथानक पर्याप्त शिथिल है, किंतु सूरदास, विनय, सोफिया आदि पात्र अपनी चारित्रिक विशेषताओं के कारण अमर है। हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, मजदूर, किसान, पूँजीपति इत्यादि सभी वर्ग इसमें चित्रित है। कायाकल्प में अलौकिक कथा का समावेश है। उसमें रानी देवप्रिया की अतृप्त वासना का बहुत नग्न चित्रण है। रियासतों के जीवन को यथार्थ रूप में चित्रित किया गया है। 'कायाकल्प' का कथानक असंगठित है। प्रतिज्ञा, गबन और निर्मला मुंशीजी के छोटे उपन्यास है। इसमें सामाजिक समस्याओं का चित्रण है। गोदान प्रेमचंदजी की अंतिम सर्वोत्कृष्ट कृति है। क्या भाव और क्या तकनीक सभी में एक नवीन जीवन और प्रौढ़ता है। कथा में अद्भुत प्रवाह है, भाव में साँझ का सुनहलापन। 'होरी' संसार के अमर पात्रों में से एक है। यहाँ आकर मुंशीजी का दृष्टिकोण भी यथार्थवादी हो गया है। उन्होंने जीवन की कटुता को पूर्णतया अनुभव करके उसे अपने इस उपन्यास में चित्रित कर दिया।